

अरमान पुं. (फा.) इच्छा, लालसा, चाह मुहा.
अरमान निकालना- इच्छा पूरी करना; अरमान
भरा- इच्छाओं आकांक्षाओं से परिपूर्ण; अरमान
रह जाना- इच्छा पूरी न होना।

अरर अव्य. (देश.) आश्चर्यसूचक शब्द-ध्वनि प्रयो.
अरर! यह क्या हो गया? पुं. (तत्.) 1. कपाट,
किवाड़, ढक्कन 2. युद्ध 3. उल्लू पक्षी।

अरराना स.क्रि. (देश.) 'अरर' ध्वनि का
अनुरणात्मक रूप, टूटने या गिरने का सूचक
अनुरणात्मक शब्द।

अररी, अररि स्त्री. (तत्.) 1. द्वार, दरवाजा, किवाड़
2. दरवाजे को रोकने वाला लकड़ी का लंबा कुंदा
3. म्यान 4. आवरण पुं. चर्मकार की रांपी।

अरलू पुं. (तत्.) आयु. एक औषधीय पौधा,
सोनापाठा टि. एक ऊँचा वृक्ष जिसकी फलियाँ
प्रायः 2 फुट लंबी होती हैं तथा उसका अगला
भाग कुछ मुड़ा हुआ और नोकदार होता है, इसके
फूल लाल होते हैं तथा पत्तों में दुर्गंध होती है।

अरवन पुं. (तत्.) सबसे पहले कच्ची काटी
जानेवाली फसल, फसल की प्रथम कटाई जो
देवताओं या ब्राह्मणों को अर्पित की जाती है।

अरवा पुं. (देश.) वह चावल जो धान को बिना
भूने, बिना जलाए या बिना उबाले निकाला
जाता हो।

अरविंद पुं. (तत्.) 1. अरों या चक्रांगों की तरह
सुंदर पत्रों वाला पुष्प (लाल या नीला) कमल 2.
सारस 3. ताँबा पर्या. अंबुज, इंदीवर, उत्पल,
तामरस, पुंडरीक, पुरइन, शतदल, सहस्रदल।

अरविंदनाभ पुं. (तत्.) दे. अरविंदनाभि।

अरविंदनाभि पुं. (तत्.) कमल-नाभि विष्णु
जिनकी नाभि से उत्पन्न कमल में ब्रह्मा
विराजमान हैं।

अरविंदलोचन पुं. (तत्.) कमल के समान नेत्र
वाले, कमल नयन (विष्णु का एक नाम)।

अरविंदिनी स्त्री. (तत्.) 1. कमलिनी 2. कमललता
3. कमलसमूह।

अरविन पुं. (देश.) रस्सी का फंदा जिसमें घड़ा
फँसा कर कुँ से पानी निकाला जाता है।

अरवी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का कंद जिसकी
तरकारी बनाई जाती है, घुड़याँ, अरबी, अरुई।

अरस पुं. (तद्) आलस्य, सुस्ती पुं. (अर.) 1.
अर्श, छत 2. महल वि. 1. रसहीन 2. बिना स्वाद
का, फीका।

अरसना अ.क्रि. (तद्.) कमजोर होना, शिथिल
होना, ढीला होना, मंद पड़ जाना।

अरसना-परसना स.क्रि. (तद्.) छूना, स्पर्श
करना, भेंट करना।

अरस-परस पुं. (तद्.) 1. छुपाछुपी का खेल,
आँखमिचौनी, छुआछुई 2. देखने की क्रिया या भाव।

अरसा पुं. (अर.) 1. समय, काल, अवधि 2. लंबा
समय प्रयो. मैं (एक) अरसे से उसका इंतजार
कर रहा हूँ।

अरसाश पुं. (तत्.) रस-हीन, अशन अर्थात् सूखा-
सूखा भोजन, स्वादरहित भोजन।

अरसिक वि. (तत्.) 1. जो रसिक न हो, अरसज,
असहृदय, अमर्मज 2. नीरस, सूखे स्वभाव वाला।

अरह पुं. (तत्.) रहस् अर्थात् एकांतता या गोपनीयता
का अभाव, रहस्य का अभाव, गुप्त तथ्य का
अभाव।

अरहट पुं. (तद्.) बाल्टीनुमा जल-पात्रों की शृंखला से
कुँ से पानी निकालने वाला यंत्र, रहट, अरघट्ट।

अरहन पुं. (देश.) साग-सब्जी पकाते समय उसमें
मिलाया जानेवाला आटा या बेसन।

अरहर स्त्री. (तत्.) 1. कैजेनस इंडिकस नामक
उष्णदेशीय फलीदार पौधा जिसके पीले-भूरे दानों
की दाल बनाई जाती है 2. इसके दाने 3. दानों
से बनी दाल, अरहर की दाल।

अरा पुं. (तत्.) पहिए में लगी तनियाँ जो पहिए
की परिधि को नेमि से जोड़ती हैं।

अराग वि. (तत्.) 1. रागरहित, रागविहीन 2.
आसक्ति-रहित, वासनाविहीन पुं. राग, प्रेम या
आसक्ति का अभाव।